प्रसार भारती

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

09.12.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1500बजे

राष्ट्रपति–हस्तशिल्प पुरस्कार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में 2023 और 2024 के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किए। ये प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान असाधारण कलात्मक निपुणता और भारत की समृद्ध तथा विविध हस्तशिल्प विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि कला लोगों को विभिन्न संस्कृतियों और एक–दूसरे से जोड़ती है।

उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प न केवल एक सांस्कृतिक पहचान है बल्कि लोगों की आजीविका का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र देश के 32 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है और उनमें से अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों से हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि हस्तशिल्प की दुनियाभर में मांग है और इस क्षेत्र में प्रगति की प्रचुर संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि शिल्पकारों का कौशल बढ़ा कर नई टैक्नोलॉजी के साथ जोड़ कर नए युवा उद्यमियों को हस्तशिल्प की तरफ प्रोत्साहित कर बिक्री के क्षेत्र में नई उंचाईयों तक पहुंचा जा सकता है।

पीएम–डीडी संस्कृत कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवन में संस्कृत की स्थायी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और दूरदर्शन के सुप्रभातम कार्यक्रम में इसकी दैनिक उपस्थिति का उल्लेख किया। सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम में हर सुबह एक संस्कृत सुभाषित ज्ञानवर्धक कथन प्रस्तुत किया जाता है, जो मूल्यों और संस्कृति को सहजता से एक साथ पिरोता है।

इंदू गोस्वामी

केंद्रीय सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा है कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत हिमाचल प्रदेश में अब तक एक लाख 83 हजार 2 सौ 45 अभ्यार्थियों का चयन किया गया है। राज्यसभा सांसद इंदू गोस्वामी द्वारा संसद में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने ये जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत अब तक देश में कुल दो करोड़ 72 लाख 52 हजार 9 सौ 86 अभ्यार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। शोभा करंदलाजे ने बताया कि योजना के तहत वित्त वर्ष 2023–24 से 2027–28 के लिए कुल 13 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक 30 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 30 लाख कारीगरों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

नियुक्ति

हिमाचल प्रदेश सरकार ने प्रोफेसर ममता मोक्टा को हिमाचल प्रदेश लोकसेवा आयोग का सदस्य नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति छह वर्ष के लिए की गई है। इस संबंध में सरकार की तरफ से अधिसूचना जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर ममता मोक्टा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर के पद पर कार्यरत हैं और विश्वविद्यालय में लोक प्रशासन विभाग की प्रोफेसर हैं। अब वह लोकसेवा आयोग के सदस्य पद का कार्यभार संभालेंगीं।

.लोक अदालत

प्रदेश में 13 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश उच्च न्यायालय और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत प्रदेश की सभी अदालतों में विभिन्न मामले निपटाए जाएंगे। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक प्रवक्ता ने बताया कि अदालत में निपटारे के लिए विभिन्न अदालतों द्वारा अभी तक लगभग 84 हजार मामलों की पहचान की गई है।

————————————